प्रेस विज्ञप्ति

गत रात 11:30 बजे क्वीन मेरी चिकित्सालय में एक महिला द्वारा एक अविकसित मृत भ्रूण को जन्म दिया गया जिसका वजन लगभग एक किलो ग्राम था। मृत भ्रूण के जन्म के पश्चात चिकित्सालय के डॉक्टरों द्वारा उस मृत भ्रूण को महिला के परिजनो के सुपुर्द कर दिया गया एवं सुपुर्द करते वक्त परिजनों के हस्ताक्षर भी अभिलेख पर ले लिया गया था। जिसकी सुपुर्दगी का साक्ष्य चिकित्सा विश्वविद्यालय के क्वीन मेरी अस्पताल के अभिलेखों मे मौजूद है। महिला के भाई द्वारा उस मृत भ्रूण को अंतिम संस्कार के लिए एक कपड़े में लपेट कर अस्पताल परिसर के बाहर ले जाया गया तथा वह उक्त भ्रूण को चिकित्सालय के बाहर एक अन्य मरीज के तीमारदार को देखते रहने को कहते हुए उसे वहीं पर छोड़कर टैम्पो की तलाश मे चला गया। कुछ क्षण पश्चात क्वीन मेरी चिकित्सालय के गेट पर तैनात सुरक्षा कर्मियों ने देखा की कपड़े मे लपेटे हुए उक्त भ्रूण को को कुत्तो द्वारा खीचा एवं नोचा जा रहा है तब वहां पर उपस्थित मरीजो के तीमारदारो एवं चिकित्सालय के सुरक्षा कर्मियो द्वारा भ्रूण को कुत्ते से छुड़ाकर पुलिस बुला ली गई। उक्त घटना के बाद महिला का भाई जब लौट कर वापस आया तो उसे घटना का पता चला लेकिन अत्यधिक भीड़ तथा पुलिस को देखकर घबरा गया तथा किसी को भी वास्तविकता नही बताई। रात करीब 1:30 बजे महिला के भाई ने उक्त भ्रूण के सम्बंध मे क्वीन मेरी चिकित्सालय में तैनात जनसम्पर्क अधिकारी को मामले की जानकारी दी, तथा यह भी बताया की वह उस समय अत्यधिक डर गया था।

(प्रो0 नरसिंह वर्मा)
फैकल्टी इंचार्ज, मीडिया सेल
चिकित्सा संकाय, केजीएमयू

(प्रो0 विभा सिंह)
फैकल्टी इंचार्ज, मीडिया सेल
दंत संकाय, केजीएमयू